साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R.No.: **MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 3 । अंक : 42 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 25 मई से 31 मई 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

40 छात्राओं को प्रदान की साइकिलें

गोरेगांव-विद्याप्रसारण हाईस्कूल कालीमाटी में 40 विद्यार्थियों को साइकिलों का वितरण किया गया। इसके अलावा शाला में पीने के पानी की सुविधा करने के लिए बोरवेल निर्माण कार्य का भूमिपूजन सभापति मनोज बोपचे के हस्ते किया गया। इस समय सरपंच सोनाली साखरे, पुष्पा बोपचे, राजा कटरे, संजयकुमार चौरागडे, सुभाष रहांगडाले, रोशन कटरे, स्वर्णकुमार रहांगडाले, रवि रहांगडाले, गौतम धावडे आदि उपस्थित थे।

विदर्भ, विश्व का टाइगर कैपिटल, नवेगांव-नागझिरा में छोड़ी गई दो बाघिन-वनमंत्री सुधीर मुनगंटीवार

नवेगाव-नागझिरा टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए बनेगा का आकर्षण केंद्र दूसरे चरण में बाघों का होगा आगमन

बुलंद गोंदिया। वन विभाग ने अनुसंधान, पर्यटन, संरक्षण और ईन ब्रीडिंग नामक चार बिन्दुओं के आधार पर काम हाथ में लिया है, जिसके तहत बाघिनों को नवेगांव-नागझिरा अभयारण्य में स्थानांतरित किया गया। यहाँ के जंगल प्राकृतिक अधिवास के लिए उपयोगी हैं। वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने विश्वास व्यक्त किया कि बाघिनों के आने से नवेगांव-नागझिरा अभ्यारण्य, वन्य जीव प्रेमियों, शोधार्थियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि नवेगांव- नागझिरा टाइगर रिजर्व प्राकृतिक अधिवास के लिए एक अच्छा स्थान है और इस अभ्यारण्य में छोड़ी की गई बाघिनों के प्रजनन से बाघों की अगली पीढ़ी तैयार करने में मदद मिलेगी। ब्रम्हपुरी क्षेत्र से लाए गए बाघों को 20 मई को नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व में राज्य के वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार की मौजूदगी में छोड़ा गया। वे इस कार्यक्रम के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। इस दौरान सांसद सुनील मेंढे, अशोक नेते, विधायक विजय रहांगडाले, मनोहर चंद्रिकापुरे, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (वन्यजीव) महिप गुप्ता, मुख्य वनसंरक्षक प्रादेशिक रंगनाथ नाईकडे, वनसंरक्षक तथा क्षेत्र संचालक ताडोबा अंधारी प्रकल्प डॉ. जितेंद्र रामगावकर, विशेष पोलीस महासंचालक (नक्सल सेल) संदीप पाटील, उपवनसंरक्षक तथा क्षेत्र संचालक नवेगाव-नागझिरा जयरामेगौडा आर., गोंदिया उपवनसंरक्षक कुलराज सिंह, भंडारा उपवनसंरक्षक राहूल गवई, गोंदिया निवासी उपजिल्हाधिकारी स्मिता बेलपत्रे,

उपसंचालक नवेगाव-नागझिरा व्याघ्र राखिव क्षेत्र साकोली पवन जेफ, विभागीय वन अधिकारी प्रदीप पाटील व सहाय्यक वनसंरक्षक राजेंद्र सदगीर आदि उपस्थित रहे। वनमंत्री मुनगंटीवार ने कहा, बाघ दुनिया के चौदह देशों में पाए जाते है हैं। परंतु बाघों की सर्वाधिक संख्या भारत में ही है। और हमारे लिये गर्व की बात है भारत में बाघों की सर्वाधिक संख्या महाराष्ट्र के विदर्भ में है। उन्होंने बताया कि, महाराष्ट्र में 2014 में 190 बाघ थे, 2019 की जनगणना में यह बढ़कर 312 हो गए और अब बाघों की संख्या 500 से ऊपर है। इनमें से ज्यादातर बाघ विदर्भ में हैं। इसका मतलब है कि विदर्भ दुनिया का टाइगर कैपिटल बन गया है। वनमंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने आगे कहा, भारत सरकार ने पहले चरण में पांच बाघों के स्थानांतरण की अनुमति दे दी है। उन्होंने बताया कि इसी के तहत बाघिन को आज नवेगांव-नागझिरा टाईगर रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभी इस स्थान अभ्यारण्य में 11 बाघ हैं और इसमें 20 बाघों की आवास क्षमता है, उन्होंने कहा कि नवेगांव-नागझिरा वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक आकर्षण केंद्र होगा। उन्होंने अगले चरण में तीन बाघों को स्थानांतरित करने की इच्छा जताई। नवेगांव नागझिरा परियोजना में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 400 स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है और 100 बाघ मित्र नियुक्त किए गए हैं। बाघ मित्रों को दो हजार रुपए मानधन दिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटकों के लिए छह अत्याधुनिक वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। मंत्री मुनगंटीवार ने कहा कि सारस संरक्षण के लिए 62 करोड़ की योजना बनाने के लिए कोर्ट के निर्देश पर काम चल रहा है. वन विभाग पांच बाघों के ट्रांसफर के मामले पर पिछले दस माह से काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि मालधोक और गिद्ध पक्षियों का संरक्षण भी जरूरी है और इसके लिए वन विभाग योजना बना रहा है. गौरैया अब कम नजर आती हैं। उन्होंने कहा कि चिमनियों का संरक्षण जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ी चिमनियों को केवल कहानियों के माध्यम से न समझे। चारागाहों को विकसित करने और जलस्रोतों को बढ़ाने पर भी काम चल रहा है। नवेगांव-नागज़ीरा टाइगर रिज़र्व महाराष्ट्र के गोंदिया और भंडारा ज़िलों में स्थित है और 2013 में अधिसूचित एक टाइगर रिज़र्व है। नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व देश का 46वां और राज्य का 5वां टाइगर रिजर्व है और इसे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत स्थापित किया गया है। नवेगांव-नगजीरा टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 656.36 वर्ग किलोमीटर है। 1241.24 वर्ग भी है। किमी बफर जोन घोषित किया गया है। ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन 2022 रिपोर्ट के मुताबिक, नवेगांव-नगजीरा टाइगर रिजर्व में कम से कम 11 परिपक्व बाघ हैं। वर्तमान में बाघ क्षेत्र कम बाघ घनत्व का क्षेत्र है और नवेगांव नागजीरा टाइगर रिजर्व में 20 वयस्क बाघों की रहने की क्षमता है। बाघों के संरक्षण हस्तांतरण की इस पहल के तहत कुल 4-5 मादा बाघिनों को ब्रह्मपुरी क्षेत्र से नवेगांव-नागज़ीरा बाघ अभयारण्य में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव है। पहले चरण में 2 मादा बाघिनों को आज नागजीरा वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया है। दोनों बाघिनों को नवेगांव-नगजीरा टाइगर रिजर्व के कोर में छोड़ा गया। रिहाई के बाद सेटेलाइट जीपीएस कॉलर और वीएचएफ की मदद से दोनों बाघिनों पर 24म7 सक्रिय रूप से नजर रखी जाएगी। समूचे समन्वय समारोह का संचालन कमांड एवं कंट्रोल रूम सकोली से किया जायेगा. इन दो प्रवासी बाघिनों का अवलोकन कर शेष कारकों को ध्यान में रखते हुए अन्य मादा बाघिनों को चरणबद्ध तरीके से स्थानांतरित किया जाएगा।

यह पहल भविष्य में परियोजना में बाघों की संख्या में वृद्धि कर नवेगांव-नगजीरा टाइगर रिजर्व में पर्यटन को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करेगा और बाघों की आबादी वाले ब्रह्मपुरी क्षेत्र में मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान हो सकता है। कार्यक्रम में मानद वन्यजीव रक्षक सावन बहेकार व मुकुंद धुर्वे, निसर्गप्रेमी डॉ.राजेंद्र जैन सहित गोंदिया व भंडारा जिले के पत्रकारों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सूत्र संचालन कर आभार वनरक्षक अरविंद बडगे ने माना।

जन जन तक महापुरुषों के विचारों को पहुंचाने की जरूरत- घनश्याम पानतवने

बुलंद गोंदिया। पूर्वकाल में समाज में व्यापक स्तर में अंधविश्वास एवं अवांछनीय परम्पराएँ फैली हुई थीं। महापुरुषों ने अपने विचारों से समाज में फैली अज्ञानता, अंधविश्वास और अवांछनीय परम्पराओं को दूर कर समाज को जगाने और सामाजिक व्यवस्था की जानकारी देने का अमूल्य कार्य किया है। इसलिए महापुरुषों की जयंती मनाते हुए महापुरुषों के शक्तिशाली मौलिक विचारों को घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उक्त विचार नगर परिषद गोंदिया के पूर्व बांधकाम सभापति एवं बौद्ध सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष घनश्याम पानतवने ने व्यक्त किये. रविवार (21) को संजय नगर (कव्वाली मैदान) में डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति द्वारा आयोजित भ.बुद्ध जयंती महोत्सव कार्यक्रम में बोल रहे थे. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कृषि उपज मंडी समिति के सभापति भाऊराव उके, जयंती उत्सव समिति के अध्यक्ष अमित भालेराव, समिति के पूर्व अध्यक्ष सतीश बंसोड़, प्रदीप ठवरे, पूर्व पार्षद सुषमा मेश्राम, सामाजिक कार्यकर्ता दीपेंद्र वासनिक, राजेश बघेल, राजेश खरोले, विशाखा कोटंगले, वीणा गणवीर, रवि कोटंगले , डॉ. राजेंद्र वैद्य, डॉ. सोनाली वैद्य, प्रकाश टेंभेरे, शेखर मेश्राम, मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्वलित कर व बुद्ध की पूजा अर्चना कर की गई। जयंती उत्सव में 43 वर्षों की अक्षुण्ण परंपरा को कायम रखा है और इस वर्ष उत्सव समिति ने रक्तदान शिविर, सामूहिक विवाह, गरीब छात्रों को शिक्षण सामग्री का वितरण, जरूरतमंदों की मदद आदि सामाजिक कार्य किए हैं। जयंती उत्सव के दौरान सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सामाजिक कार्यकर्ता घनश्याम पानतवने और देवेंद्र रामटेके को समिति द्वारा सम्मानित किया गया। जयंती उत्सव ने आंबेडकरी लोगों को सम्मान, गरिमा और शक्ति प्रदान की है। अत: भविष्य में उत्सव समिति निःशुल्क एंबुलेंस सेवा, गरीब बालक-बालिकाओं को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, निःशुल्क शिक्षण सामग्री का वितरण, समाज को आगे लाने के लिए रक्तदान एवं सामूहिक विवाह आंदोलन की व्यवस्था करेगी, ऐसा उदघोष विचार प.पु. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति के अध्यक्ष अमित भालेराव ने अपने प्रस्तावना में दिया है। कार्यक्रम की सफलता हेतु अनिल डोंगरे, आकाश टेंभुर्णिकर, रवि भालाधरे, प्रवीण बोरकर, अमर राउत, सुनील मेश्राम, वसंत गणवीर, वेदांत गजभिए, मिलिंद गणवीर, प्रफुल भालेराव, शैलेश टेम्बेकर, जितेंद्र सतीसेवक और नवयुवक बौद्ध समिति संजय नगर के युवाओं ने सफलता के लिए सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन श्याम चौरे व आभार हर्षपाल रंगारी ने माना।

दिव्यांगों को सम्मान देने का कार्य कर रही मोदी सरकार- सांसद सुनील मेंढे

» अर्जुनी मोरगांव में 192 लाभार्थियों को दिव्यांग सामग्री का वितरण «

बुलंद गोंदिया। गोंदिया व भंडारा जिले के सभी तहसील स्तर पर दिव्यांगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार दिव्यांग सामग्री का वितरण किया जा रहा है। जिसके तहत अर्जुनी मोरगांव में दिव्यांग सहित वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर सांसद सुनील मेंडे ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मान के साथ जीने व सक्षम बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत कार्य कर उन्हें लाभ दिया जा रहा है। गौरतलब है कि गोंदिया भंडारा के सांसद सुनील मेंडे के प्रयासों से भारत सरकार के सामाजिक न्याय व एआईडीपी विभाग के अंतर्गत दिव्यांग व्यक्तियों को निशुल्क साहित्य वितरण करने के लिए जिला स्तर व तहसील स्तर पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत अर्जुनी मोरगांव के वात्सल्य सभागृह में दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें 192 लाभार्थियों को दिव्यांग सामग्री का साहित्य वितरण किया गया। इस अवसर पर सांसद सुनील मेंडे ने अपने संबोधन में आगे कहा कि केंद्र सरकार ग्राम विकास की दृष्टि ग्राम विकास के लिए सदैव सकारात्मक है तथा ग्राम से ही देश का विकास संभव है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जारी की गई योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकासात्मक कार्य हुए हैं तथा वहां परिवर्तन आया है। साथ ही दिव्यांग व्यक्ति को सक्षम कर उन्हें सम्मान के साथ जीने के लिए दिव्यांग सामग्री का वितरण जरूरी है साथ ही उन्होंने कहा कि जिन पात्र लाभार्थियों को सामग्री प्राप्त नहीं हुई उनके घरों तक सामग्री पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, रचना गहाने, जयश्री देशमुख जिप सदस्य, सूर्यवंशी उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार बागडे, गटविकास अधिकारी निमजे ,गजानन डोंगरवार, भोजू लोगडे वह तहसील कार्यालय के सभी कर्मचारी नगर परिषद के कर्मचारी पंचायत समिति के कर्मचारी वह बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

भीमनगर परिसर में युवक की धारदार हथियार से जघन्य हत्या एक गंभीर जख्मी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले भीमनगर झंडा चौक निवासी युवक पंकज मेश्राम की 3 से 4 अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी वही एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया शहर के भीमनगर झंडा चौक निवासी युवक पंकज मेश्राम के घर में सुबह 5ः00 बजे के दौरान 3 से 4 अज्ञात हमलावर युवकों ने उसके घर पर पहुंच कर दरवाजा खटखटा कर उसे बाहर बुलाया व आंखों में मिर्ची पाउडर झोक पर धारदार हथियारों से उस पर सपासप वार किया जिसके बीच बचाओ के लिए आने वाले युवक सुंदर नगर निवासी मृतक का मित्र तुषार सिंघाड़े उर्फ विट्ठल कान्हा 25 वर्ष पर भी हमलावरों ने हथियारों से वार कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया जिसे उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। घटना की जानकारी शहर पुलिस को प्राप्त होते ही शहर पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की है इस उपरोक्त प्रकरण में मृतक की मां सिंगल टोली निवासी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 302, 34 के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई समाचार लिखे जाने तक आरोपी

पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे। नशे के व्यवसाय की प्रतिद्वंद्विता के चलते हत्या सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक नशे की सामग्री का व्यवसाय करता था जिसमें मुख्य रुप से ब्राउन शुगर, गर्द, गांजा बिक्री करता था तथा हमलावर भी नशे का व्यवसाय करते थे। गत कुछ दिनों से दोनों गुट में नशे के व्यवसाय को लेकर विवाद भी चल रहा था। ईसी के चलते इसके पूर्व भी मृतक पर जानलेवा हमला हुआ था जिसके परिणाम स्वरुप यह हत्याकांड घटित हुआ है।

भालू के हमले में किसान जखमी

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता देवरी)- गोंदिया जिले के देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले आदर्श /आमगांव निवासी खुशाल येल्ले पर 23 मई की सुबह जंगल परिसर में भालू द्वारा हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आदर्श /आमगांव निवासी खुशाल येल्ले 23 मई की सुबह अपने घर से कुछ ही दूरी पर जलाऊ लकड़ी लाने गया था। इसी दौरान पीछे से जंगली भालू द्वारा उस पर हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। भालू द्वारा हमला किए जाने पर किसान द्वारा शोर मचाया जिससे आसपास के नागरिक घटनास्थल पर पहुंचे जिससे घबराकर भालू जंगल की ओर भाग गया जिसके पश्चात ग्रामीणों की सहायता से जख्मी खुशाल को प्राथमिक उपचार के लिए देवरी के ग्रामीण चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। उल्लेखनीय है कि गत कुछ माह से ग्राम के आसपास वन्यजीवों व भालू का आवागमन काफी बढ़ गया है। संभावना जताई जा रही है कि जंगल परिसर में पानी की कमी होने के चलते वन्य जीव ग्राम की ओर पानी की तलाश में भटकते आ रहे हैं।

संपादकिय...

पेयजल संकट गहराने की आशंका

दुनिया की करीब आधी बड़ी झीलों में कम हुआ पानी, कई शहरों में पेयजल संकट गहराने की आशंका पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का एक नुकसान यह भी हुआ है कि झीलों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसके चलते उनमें कचरा जमा होता गया है। उनकी नियमित गाद निकालने की व्यवस्था न होने से वे उथली होती गई हैं। कई झीलों का पाट सिकुड़ता गया है। जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया की बड़ी झीलों पर भी नजर आने लगा है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि दुनिया की करीब आधी बड़ी झीलों का जलस्तर कम हो रहा है। ऐसे समय में जब पेयजल का गंभीर संकट महसूस किया जा रहा है और पानी के प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है, यह नया खुलासा और चिंता पैदा करता है। अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने लगातार अट्ठाईस सालों तक अध्ययन करने और उपग्रह से ली गई लाखों तस्वीरों के आधार पर यह खुलासा किया है। झीलों का जलस्तर कम होने की बड़ी वजह मानव उपभोग और बढ़ती गर्मी बताई गई है। इस तरह सरकारों और जल संचय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों के लिए यह चेतावनी की घंटी है। झीलें एक प्रकार का प्राकृतिक जलाशय हैं, जिनके पानी का उपभोग पेयजल और उद्योगों आदि के काम में किया जाता है। जिस तरह नदियों का जलस्तर घटते जाने की वजह से दुनिया के अनेक शहरों में पेयजल का गहरा संकट पैदा हो गया है, उसी तरह झीलें अगर सिकुड़ती गईं, तो यह संकट और गंभीर होता जाएगा। झीलों, जलाशयों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखते जाने को लेकर लगातार अध्ययन होते रहे हैं, उनके आंकड़ों से वजहें भी स्पष्ट हैं। मगर उनके संरक्षण को लेकर जिन व्यावहारिक उपायों की अपेक्षा की जाती है, उन पर अमल नहीं हो पाता। झीलों का स्रोत आमतौर पर पहाड़ों से आने वाला पानी होता है। वह बर्फ के पिघलने या फिर वर्षाजल के रूप में संचित होता है। मगर जलवायु परिवर्तन की वजह से जिस तरह दुनिया भर में गर्मी बढ़ रही है, उसमें कई जगह पहाड़ों पर पहले की तरह बर्फ नहीं जमती और न पर्याप्त वर्षा होती है। फिर उनसे जो पानी पैदा होता है, उसका अनुपात बिगड़ चुका है। बरसात की अवधि कम और बारिश की मात्रा कम या अधिक होने से या तो झीलों में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाता या फिर बहुत कम समय में बहुत ज्यादा पानी इकट्ठा होकर नीचे की तरफ बह जाता है और फिर साल के बाकी दिनों में उनमें पानी न आने से उनका स्तर नीचे चला जाता है। दूसरा कारण पहाड़ों पर लगातार बढ़ रही पर्यटन संबंधी और औद्योगिक-वाणिज्यिक गतिविधियां हैं। हमारे यहां उत्तराखंड के पहाड़ इसके बड़े उदाहरण हैं। वहां बड़े पैमाने पर शुरू हुई विकास परियोजनाओं की वजह से न सिर्फ पहाड़ों के धसकने और स्खलित होने की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि अनेक प्राकृतिक जल स्रोतों पर संकट मंडराने लगा है। वहां की नदियों और पहाड़ी झरनों का मार्ग अवरुद्ध हुआ है।

गोंदिया जिले का गौरव अनुदीप,साढ़े तीन वर्ष की उम्र स्मृति कौशल में 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में नाम दर्ज

बुलंद गोंदिया। जिस उम्र में बच्चे उठना, बैठना, चलना और बोलना सीखते है उस उम्र में एक होशियार बालक ने अपनी कौशल बुद्धि का परिचय देकर महज साढ़े तीन साल जी उम्र में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने का गौरव प्राप्त किया है। उसकी इस उपलब्धि से पूरे जिले का सिर भारत देश में फक्र से ऊंचा हो गया है। इस बालक का नाम है अनुदीप अंकुश चौहान (उम्र 3 साल 6 माह), हाल मुकाम गोरेगाँव, जिला गोंदिया। बालक के पिता अंकुश चौहान मूल रूप से नांदेड़ जिले के माहुरगड़ तहसील क्षेत्र के आमनाला के निवासी है। वे गोरेगाँव में बुलढाणा अर्बन बैंक में व्यवस्थापक के पद पर है। गोरेगाँव आने के बाद अंकुश चौहान ने अपने दो साल के बेटे का गोरेगाँव स्थित मॉडल कान्वेंट स्कूल में दाखिला नर्सरी में कराया था। नर्सरी में जाने के बाद स्कूल की मैडम ने पिता अंकुश व माता पूनम चौहान से कहा था कि अनुदीप पूरी स्कूल में सबसे अधिक होशियार है, उस पर ध्यानकेन्द्रित करें। अनुदीप के पिता अंकुश चौहान कहते है कि, अनुदीप, खेलने की उम्र में वो घर आने के बाद सिर्फ पढ़ाई में ध्यानकेन्द्रित करता था। उसे मोबाइल से दूर रखा गया। जो भी सुनता उसे अपनी मेमोरी में ऐसे फिट करता था जैसे वो कंप्यूटर हो। उसे 200 से अधिक जनरल नॉलेज के प्रश्न मौखिक याद है। 1 से 100 तक गिनती फर्राटे से सुनाता है। देश, विदेश की अधिक से अधिक जानकारी उसे मौखिक याद है। उसे जो भी सुनाया या सिखाया गया वो सब इस कम उम्र में उसके मेमोरी में फिट है। अनुदीप को इसी स्मृति कौशल के लिए 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा सम्मानित कर उसका नाम दर्ज किया गया है। अनुदीप गोंदिया जिले में इकलौता है जिसने कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने अनुदीप को उन्हें उनकी क्षमता के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया है। महज साढ़े तीन साल में किए गए इस कर्तव्य के लिए उनकी व्यापक रूप से सराहना की जा रही है और ये गोंदिया जिले के लिए गर्व की बात है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई पूर्व जिप सदस्य श्रीचंद रोहड़ा की घटनास्थल पर मौत

बुलंद गोंदिया। गोंदिया कोहमारा मार्ग पर ग्राम भड़गा के समीप 19 मई शुक्रवार की सुबह 9:30 बजे के दौरान अनियंत्रित कार पेड़ से जा टकराई इस दुर्घटना में गोंदिया निवासी व पूर्व जिप सदस्य श्रीचंद रोहड़ा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन के अनुसार सिंधी कॉलोनी निवासी व्यवसाई व पूर्व जिला परिषद सदस्य श्रीचंद रोहड़ा अपने कार्य के चलते गोरेगांव से कोहमारा की ओर जा रहे थे इसी दौरान सुबह 9:30 बजे के दौरान ग्राम भड़गा के समीप जनाटोला पेट्रोल पंप के पास अचानक उनकी कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार का सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वह रोहड़ा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते ही मार्ग पर भारी भीड़ जमा हो गई वह कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ तथा इसकी जानकारी गोरेगांव पुलिस थाने को दी गई गोरेगांव पुलिस द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को गोरेगांव के ग्रामीण चिकित्सालय में शव विच्छेदन के लिए भेजा तथा मामले की जांच शुरू की।

पुराने विवाद को लेकर युवक की हत्या तिरोड़ा के भूराटोला का मामला

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के तिरोडा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम भुराटोला निवासी गुरुदास मानिकचंद रहांगडाले उम्र 28 वर्ष युवक की मवेशियों को चराने के पुराने विवाद को लेकर 18 मई की रात 9 के दौरान चाकू से हमला कर तीन आरोपियों द्वारा हत्या कर दी गई जिसमें दो आरोपियों को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक गुरुदास मानिकचंद रहांगडाले उम्र 28 वर्ष का मवेशियों को चराने के चलते हुए पुराने विवाद पर 18 मई की रात फिर से आरोपियों द्वारा विवाद किया गया इस दौरान विवाद में आरोपी के खेत में गत वर्ष मृतक के मवेशियों द्वारा चरने के दौरान नुकसान किया गया था।18 मई की रात में जब मृतक युवक खर्रा लेने के लिए गया था इसी दौरान पिता व दो पुत्रों द्वारा युवक को पकड़कर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जिसे परिजनों द्वारा उपचार के लिए तिरोड़ा के उप जिला चिकित्सालय में ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार कर गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय में रवाना किया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में तिरोड़ा पुलिस द्वारा हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया हुआ एक आरोपी की तलाश की जा रही है।

स्त्री शक्ति सहायता शिविर गोंदिया जिले 24 से 30 मई के बीच आयोजित

बुलंद गोंदिया। सरकार के आपके द्वार अभियान के तहत सरकार के विभिन्न विभागों के माध्यम से चलाई जा रही महिलाओं और विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ महिलाओं के स्थानीय विभिन्न सरकारी विभागों से संबंधित समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर स्त्री शक्ति साधन 24 मई 2023 से हर तहसील में शिबिर का आयोजन किया जा रहा है इस कैंप की शुरुआत गोंदिया से की जाएगी। पहला कैंप पंचायत समिति गोंदिया हॉल में 24 मई को सुबह 09 बजे आयोजित किया गया है। 25 मई आई टी आई सभागार आमगांव, 26 मई पंचायत समिति सभागार तिरोडा, 26 मई तेजस्विनी लॉन शेंडा रोड सड़क अर्जुनी, 29 मई गुरुकृपा लॉन थाना रोड गोरेगांव, 29 मई तहसील कार्यालय सभागार देवरी, 30 मई शिवप्रसाद सदानंद सीनियर कॉलेज नया सभागार अर्जुनी मोरगांव, 30 मई तहसील कार्यालय सभागार सालेकसा में पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर स्त्री शक्ति साधन शिविर का आयोजन किया गया है। समस्याग्रस्त और उत्पीड़ित महिलाओं को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक मंच प्राप्त करने के लिए और उनके अधिकारों की रक्षा और न्याय पाने के लिए, सरकारी तंत्र से महिलाओं की समस्याओं को हल करने के लिए और समाज में उत्पीड़ित महिलाओं को आसान मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक प्रभावी के रूप में इसके लिए महिला लोकतंत्र दिवस की तर्ज पर पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होल्कर स्त्री शक्ति के तहत तालुका स्तर पर एक संतोष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविर में तहसील स्तर पर सभी सरकारी विभागों की योजनाओं की जानकारी तहसील स्तर पर विभागाध्यक्ष द्वारा दी जायेगी. साथ ही महिलाओं की विभिन्न विभागों की समस्याओं व शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने अनुरोध किया है कि गोंदिया जिले के सभी तहसीलो से अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाएं उक्त शिविर में शामिल होकर शिविर का लाभ उठा कर शिविर को सफल बनाएं।

शातिर अपराधी को किया तडीपार

बुलंद गोंदिया- शातिर अपराधी संदेश मधुकर खोब्रागड़े को उपविभागीय अधिकारी तथा उपविभागीय दंडाधिकारी ने 3 माह के लिए गोंदिया, भंडारा, बालाघाट जिले से बाहर तडीपार किया है.

रामनगर थाने में कुड़वा निवासी संदेश मधुकर खोब्रागड़े पर हत्या, हत्या के प्रयास, छेड़छाड, दुष्कर्म, चोरी, अवैध शराब बिक्री ऐसे 11 अपराध दर्ज है. उसके इस कृत्य से रामनगर, कुड़वा क्षेत्र की महिलाएं, युवतियां और आम नागरिक दहशत में है. वहीं लोगों की संपत्ति को खतरा होने के कारण लोग उसके खिलाफ गवाही देने नहीं आ रहे हैं. पुलिस द्वारा उसके खिलाफ बार-बार कार्रवाई करने के बाद भी वह नहीं सुधर रहा है. जिससे सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को खतरा है. इसलिए रामनगर थाने के पुलिस निरीक्षक ने शातिर अपराधी संदेश खोब्रागड़े को जिले से तडीपार करने का प्रस्ताव उपविभागीय अधिकारी तथा उपविभागीय दंडाधिकारी के समक्ष मंजूरी के लिए रखा था. उपविभागीय अधिकारी तथा उपविभागीय दंडाधिकारी पर्वनी पाटिल ने विभिन्न प्रकार के अपराध करने वाले शातिर अपराधी संदेश मधुकर खोब्रागड़े को गोंदिया, भंडारा, बालाघाट जिले के बाहर 3 माह के लिए तडीपार किए जाने के संबंध में आदेश पारित किया है. आदेश के अनुसार शातिर अपराधी संदेश खोब्रागड़े को तडीपार किया गया है. उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर के मार्गदर्शन में की गई है. अवैध कारोबार से बाज आएं और अन्य रोजगार की ओर रूख करें, ऐसी अपील जिला पुलिस बल की ओर से की गई है.

सरकार आपके द्वार योजना विकास की 20 रुपये में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना निकालें 2 लाख का बीमा

बुलंद गोंदिया-जीवन की भागदौड़ भरी जिंदगी में जीवन महत्वपूर्ण है। अगर कोई दुर्घटना हो जाए तो उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। चूंकि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना बहुत फायदेमंद होगी। इस योजना का बीमा प्रीमियम केवल 20 रुपये है और दुर्घटना की स्थिति में कुल विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये और आंशिक विकलांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये है। बैंक खाताधारकों को अपने बैंक में एक साधारण आवेदन करना चाहिए। यह बीमा राशि खाते से स्वत: कट जाती है। राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह अपनी दारी गतिविधियों में प्रत्येक बैंक में इस आवेदन को भरे। लोगों को इसका फायदा उठाना चाहिए।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना केंद्र सरकार की एक दुर्घटना बीमा योजना है और यह योजना मई 2015 से लागू है। इस योजना का बीमा प्रीमियम 13 रुपये से बढ़ाकर केवल 20 रुपये कर दिया गया है। भारत में केवल 20 प्रतिशत लोगों के पास ही किसी प्रकार का बीमा है। जिले में अब तक इस योजना से 11 लाख हितग्राही लाभान्वित हो चुके हैं। मूल उद्देश्य योजना के दायरे को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक बैंक खाता धारकों को इस योजना में भाग लेने के लिए प्राप्त करना है।

बीमा के लिए कौन पात्र है इसकी संक्षिप्त जानकारी- इस योजना का लाभ 18 से 70 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति उठा सकते हैं, लाभार्थी के पास बैंक खाता होना चाहिए। योजना के लिए वार्षिक किस्त 20 रुपये है जो कि लाभार्थी के बैंक खाते से प्रत्येक वर्ष स्वत- ही काट ली जाएगी, किश्त के लिए वित्तीय वर्ष 1 जून से 31 मई तक होगा। इस संबंध में हर बैंक के पास आवेदन है। प्रत्येक व्यक्ति जिसके पास खाता है उसे यह आवेदन अवश्य करना चाहिए।

विशेषताएँ

वे सभी नागरिक जिन्होंने दुर्घटना बीमा पंजीकृत नहीं कराया है, लक्षित समूह होंगे। इस योजना का लाभ 18 से 70 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति उठा सकते हैं, लाभार्थी के पास बैंक खाता होना आवश्यक है। इस योजना की वार्षिक किस्त 20 रुपये है जो कि लाभार्थी के बैंक खाते से प्रतिवर्ष स्वत- ही काट ली जायेगी, किस्त का वित्तीय वर्ष 1 जून से 3 मई तक होगा। हितग्राही की आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में लाभार्थी को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, दुर्घटना के कारण पूर्ण रूप से विकलांग होने की स्थिति में 2 लाख रुपये और आंशिक रूप से अपंग होने की स्थिति में 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है .

इस स्कीम में ऑटो और डेबिट अकाउंट की सुविधा है। यह योजना न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी से संबद्ध है। प्रबंधन - योजना का लाभ उठाने के लिए लाभार्थी एलआईसी या किसी बीमा कंपनी में खाता खोल सकता है। हर बैंक को शासन आपल्या दारी पहल के तहत यह आवेदन पत्र भरना चाहिए। जिले के अग्रणी बैंक ने जिले के नागरिकों से इस प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ लेने की अपील की है, जिसके खाते से केवल 20 रुपये कटते हैं।

जब तक समस्या हल नहीं होती तब तक नहीं खरीदेंगे धान आदिवासी संस्था के संघ ने बैठक में लिया निर्णय

देवरी-आदिवासी विविध कार्यकारी सहकारी संस्था के संघ की गोंदिया जिले की बैठक महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदिवासी विकास महामंडल उपप्रादेशिक कार्यालय देवरी के सभागृह में 21 मई को ली गई। इस बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष शंकर मडावी ने की। बैठक में प्रमुखता से महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदिवासी विकास महामंडल नाशिक के संचालक भरतसिंह दुधनांग उपस्थित थे। इस बैठक में आदिवासी संस्था के धान खरीदी संदर्भ में अनेक विषयों पर चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक शासन एवं आदिवासी महामंडल यह आदिवासी संस्था द्वारा खरीदी किए गए धान खरीदी में लाभ-हानि एवं कमीशन की समस्या जब तक हल नहीं की जाती तब तक धान खरीदी नहीं की जाएगी। सभा के माध्यम से मांग की गई कि लाभ-हानि धान संग्रहण अवधि के अनुसार दिया जाए, खरीदी किए गए धान को तत्काल मिलिंग के लिए उठाया जाए, संस्था का कमीशन समय पर दिया जाए, अनुसंगिक खर्च समय पर दिया जाए, गोदाम किराया समय पर दिया जाए, बारदाना दिया जाए, कमीशन की राशि में 30 रुपए बढ़ोतरी कर 50 रुपए क्विंटल के पीछे दिया जाए, मंडी, लेबर चार्ज में बढ़ोतरी कर दिया जाए, गोदाम किराए में बढ़ोतरी कर दो माह के बजाय धान संग्रहण अवधि के अनुसार दिया जाए। इस तरह की अन्य मांगों का समावेश है। यह मांगें हल नहीं की गई तो धान खरीदी नहीं किए जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में वसंत पुराम, भुवन नरवरे, प्रेमचंद गुप्ता, गोमती तितराम, उत्तमराव मरकाम, हरीश कोहले, मानीक बापू आचले, लक्ष्मण लटये काशीनाथ रणे, सानू मडावी, जीवन सलामे, तुलाराम मारगाये, मदन रहिले, मनोहर हरिणखेडे, पतिराम भोगारे, प्रकाशबापू मडावी, विजय भोयर, दुर्योधन राऊत, लक्ष्मण किसमे, तेजराम धुर्वे, गणेश तोपे, राजू राऊत, लोकनाथ तितराम, के.बी. करचाल, एस.डी. मड़ावी, जे. वी. सलामे, एम. वाय. गायकवाड़, एम.व्ही. सोनवाने, राजेश कुंभरे, उमेश कुरसुंगे, एन. एस. मेले, जे.बी.क्षीरसागर, एम.एस. शहारे, हिवराज फाफनवाडे आदि उपस्थित थे।

गतिरोधक नहीं बना तो आंदोलन शिवसेना (उद्धव गुट) ने दी चेतावनी

आमगांव-स्थानीय डा. बाबासाहब आंबेडकर चौक, कामठा चौक, स्वाति विवेकानंद स्कूल के पास चारों और गतिरोधक नहीं होने से दिन ब दिन दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। गतिरोधक बनाने की मांग के संबंध में नगर शिवसेना (ठाकरे) की ओर से विगत माह नायब तहसीलदार एवं नगर परिषद के प्रशासक को ज्ञापन सौंपा गया लेकिन गतिरोधक नहीं बनाया गया। शहर शिवसेना प्रमुख विकास शर्मा ने बताया कि 19 मई को शिवसेना ने तहसीलदार रमेश कुंभरे को अल्टीमेटम देकर अवगत कराया कि 30 मई 2023 तक गतिरोधक नहीं बना तो रास्ता रोको आंदोलन करेंगे। इस अवसर पर विजय नगपुरे, सचिव जीतू पटले, कमलेश अग्रवाल, संजू बारिया, वैभव पारधी, धंनू शिवणकर, लक्ष्मण शेंडे, लोकपाल पवार आदि उपस्थित थे।

रेल टोली से मेन मार्केट जाने वाला रेलवे पादचारी पुलिया आम नागरिकों के लिए खुला

बुलंद गोंदिया-दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के वर्ष 2023 की डीआरयूसीसी सदस्यों की प्रथम बैठक मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदि की उपस्थिति में नागपुर मंडल रेल कार्यालय में 24/05/2023 को संपन्न हुई! इस बैठक में क्षेत्रीय एवं विभागीय रेल सलाहकार समिति सदस्य इंजीनियर जसपाल सिंह चावला ने गोंदिया रेलवे स्टेशन के रेल टोली से मेन मार्केट जाने वाले पादचारी पुलिया के एक भाग को गोंदिया शहर के आम नागरिकों के लिए खोलने का आग्रह माननीय सांसद श्री सुनील मेंढे जी की ओर से रखा ! जिस पर संज्ञान लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती निमिता त्रिपाठी जी ने तत्काल चलती बैठक में संबंधित अधिकारियों से बात कर गोंदिया के रेलवे पादचारी पुलिया को गोंदिया शहर के आम नागरिकों के लिए खोलने के आदेश जारी किए! गोंदिया शहर वासियों को बताते हुए बहुत ज्यादा खुशी हो रही है की दिनांक 24/05/2023 डीआरयूसीसी समिति सदस्यों की बैठक वाले दिन से ही इस पादचारी पुलिया को शुरु कर दिया गया है इसके लिए जसपाल सिंह चावला ने सांसद श्री सुनील जी मेंढे एवं मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती निमिता त्रिपाठी का आभार व्यक्त किया है

किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज और खाद मिले इसके लिए कृषि विभाग रहे सजग - मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई। राज्य सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है। आगामी खरीफ सीजन के लिए किसानों के लाभ के लिए कई उपाय किए गए हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए कि किसानों को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक मिले।

यशवंतराव चव्हाण फाउंडेशन सभागार में राज्य स्तरीय खरीप-पूर्व ऋतु समीक्षा बैठक 2023 का आयोजन किया गया। उस समय मुख्यमंत्री . शिंदे बोल रहे थे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार, जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल, रोजगार गारंटी और बागवानी मंत्री संदीपन भुमरे, बंदरगाह और खान मंत्री दादाजी भुसे, श्रम मंत्री डॉ. सुरेश खाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर, सहकारिता मंत्री अतुल सावे, विधायक प्रकाश आम्बेडकर , मुख्य सचिव मनोज सौनिक, अपर मुख्य सचिव सहकारिता विभाग अनूप कुमार, प्रमुख सचिव कृषि विभाग एकनाथ डावले, कृषि आयुक्त सुनील चव्हाण आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को नुकसान हुआ है. उस समय खेत में जाकर किसानों से बातचीत करना संभव हुआ। उनकी समस्याओं को समझकर समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी खरीफ सीजन के लिए अच्छी अग्रिम तैयारी की गई है। हालांकि, इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। कृषि विभाग गुणवत्ता नियंत्रण दल, भरारी दल लागू करे। लिंकेज की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। कृषि विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों के लिए बीज और उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध हो और वे समय पर उपलब्ध हों। इस साल के मानसून पर अल नीनो का असर पड़ने की भविष्यवाणी की गई है। ऐसे में किसानों को बोवनी करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। किसानों को पर्याप्त बारिश और मिट्टी में नमी देखकर ही बुवाई का फैसला करना चाहिए। इसके लिए कृषि विभाग एवं कृषि विश्वविद्यालय समय-समय पर किसानों का मार्गदर्शन करें। राज्य सरकार के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने वाले बीज अच्छी गुणवत्ता के होने चाहिए।

किसानों को फसली ऋण समय पर उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री ने यह भी सुझाव दिया कि बैंकों को किसानों को ऋण उपलब्ध कराने की पहल करनी चाहिए। शिंदे ने किया। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को पर्याप्त मदद दी गई है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की तर्ज पर %नमो शेतकरी सम्मान% योजना शुरू की गई है। किसानों को पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक को भी अपनाना चाहिए। कृषि-व्यवसाय, कृषि-पर्यटन पर जोर दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री ने यह भी कहा कि जलयुक्त शिवर योजना से भूजल स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिली है। शिंदे ने कहा।

उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस साल के मानसून पर अल नीनो का असर बताया जा रहा है. हालांकि, अन्य दो कारक बारिश के पक्ष में हैं। उसके बाद भी अगर बारिश जारी रहती है तो कृषि विश्वविद्यालयों को बुआई का कार्यक्रम तय करना चाहिए। कृषि विभाग को इसके प्रति किसानों को जागरूक करना चाहिए। फर्जी बीज व खाद बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इनके लाइसेंस जल्द से जल्द रद्द किए जाएं। कृषि ऋण के लिए किसानों को रोकने वालों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जानी चाहिए। फसली ऋण वितरण में तेजी लाई जाए। जिला प्रशासन फसली ऋण वितरण की नियमित समीक्षा करे। मानसून के आने से पहले झील से गाद निकालने, तटबंध बनाने और सिंचाई के काम में तेजी लाई जाए। मौसम स्टेशनों को अद्यतन किया जाना चाहिए। भविष्य में जहां फसलों का पंचनामा मानवीय हस्तक्षेप से बचते हुए ई-फसल निरीक्षण के माध्यम से कराया जाए। साथ ही बिजली विभाग को कनेक्शन की संख्या बढ़ानी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा विभाग को सभी विभाग सहयोग करें।

कृषि मंत्री सत्तार ने कहा कि राज्य में कृषि क्षेत्र की दृष्टि से खरीफ सीजन का विशेष महत्व है। कृषि क्षेत्र की सूक्ष्म आयोजना के दृष्टिगत प्रदेश भर में खरीफ मौसम पूर्व समीक्षा बैठकें आयोजित की गयीं. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस साल औसत से 96 फीसदी बारिश होने की संभावना है। राज्य में वर्ष 2022-23 में अनाज फसल का उत्पादन 172.49 लाख टन होने का अनुमान है। इस साल के खरीफ सीजन में खेती के तहत अनुमानित क्षेत्र 58.28 लाख हेक्टेयर होगा। इसमें कपास की फसल के तहत 41.68 लाख हेक्टेयर, सोयाबीन की फसल के तहत 49.11 लाख हेक्टेयर, चावल की फसल के तहत 15.91 लाख हेक्टेयर, मक्का की फसल के तहत 9.10 लाख हेक्टेयर और दलहनी फसल के तहत 20.53 लाख हेक्टेयर की योजना है। इस खरीफ सीजन के लिए 19.23 लाख क्विंटल बीज की जरूरत है। 21.77 लाख क्विंटल बीज महाबीज, राष्ट्रीय बीज निगम, निजी उत्पादकों के माध्यम से उपलब्ध होगा। यानी जरूरत का 113 फीसदी। इसके अलावा कृषि विभाग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग के अपर मुख्य सचिव अनूप कुमार, कृषि विभाग के प्रधान सचिव श्री. डावले, डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, शरद गढ़ख, परभणी के कुलपति डॉ. राहुरी स्थित इंद्रमणि स्थित महात्मा जोतिराव फुले कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार पाटिल, दापोली। बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि महाविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय सावंत, पुणे उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में केंद्रीय जांच एजेंसी (ईडी) के दुरुपयोग व तानाशाही के निषेधार्थ एनसीपी का कड़ा रुख

गोंदिया जिला राकांपा ने जिलाधिकारी को दिया निवेदन

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल पर ईडी द्वारा तानाशाही पूर्ण तरीके से की जा रही जांच के निषेधार्थ सांसद प्रफुल्ल पटेल, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में गोंदिया जिला राकांपा की ओर से जिलाध्यक्ष गंगाधर के नेतृत्व में गोंदिया जिलाधिकारी को एक निवेदन देकर अपना विरोध प्रकट किया।

एनसीपी ने कहा- राज्य में सत्ता पक्ष, विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी, सीबीआई, एनआईबी आदि केंद्रीय व्यवस्था का दुरुपयोग कर विपक्षी पार्टी और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। इस मौके पर कार्यकर्ताओ ने केंद्रीय व्यवस्था के दुरुपयोग का विरोध किया। इस विरोध व निवेदन देने के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष गंगाधर , यशवंत गणवीर, अशोक सहारे, पूजा सेठ, केतन तुरकर, नीरज उपवंशी, माधुरी नासरे, विनीत सहारे, अखिलेश सेठ, किरण पारधी, हरिराम आसवाणी, नागरत्न बनसोड, नागो बनसोड, राज शुक्ला, हरबक्ष गुरणानी, नरहरप्रसाद मस्करे, सुनिल पटले, शैलेश वासनिक, रमेश कुरील, राजु येडे, रौनक ठाकूर, कपिल बावनथडे, कान्हा बघेले, मंगेश रंगारी, कुनाल बावनथडे, नरेंद्र बेलगे आदि बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

आमने-सामने टकराए दो वाहन, एक घायल

गोंदिया-तिरोड़ा थानांतर्गत ग्राम येडमाकोट के पास तुमसर से तिरोड़ा की ओर आ रहे वाहन चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाकर गोंदिया स्थित गोविंदपुर निवासी फरियादी चिंटु राधेश्याम हेमने (23) के टाटा इंस्टा चौपहिया वाहन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार फरियादी अपने चौपहिया वाहन से गोंदिया से तुमसर जा रहा था, इस दौरान येडमाकोट के पास 22 मई को अज्ञात वाहन चालक ने उसके वाहन को सामने से टक्कर मार दी । जिसमें फरियादी के वाहन का केबिन टूट गया, जिसमें उसका लगभग 2 लाख रुपए का नुकसान हो गया। इसके अलावा फरियादी के %हाथ की उंगली को गंभीर चोटे आ गई। फरियादी की रिपोर्ट पर तिरोड़ा पुलिस ने भादंवि की धारा 279, 337 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच सहायक फौजदार धावडे कर रहे हैं।

शहर युवक कांग्रेस जिला एनएससीआई व टर्टल अभ्यास का संयुक्त अभियान

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को जेईई, नीट, एनडीए का 2 वर्षीय निशुल्क कोचिंग

बुलंद गोंदिया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 32 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शहर युवक कांग्रेस व जिला गोंदिया जिला एनएसयूआई के संयुक्त तत्वाधान में जरूरतमंद व आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को जेईई, नीट, एनडीए की 2 वर्ष की कोचिंग निशुल्क प्रदान किए जाने का अभियान शुरू किया गया उपरोक्त अभियान टर्टल अभ्यास सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राएं जो कोचिंग से वंचित रहते हैं ऐसे छात्रों के लिए एनएसयूआई व टर्टल अभ्यास सेंटर द्वारा इन विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसमें जो विद्यार्थी सर्वाधिक मार्क लेंगे ऐसे 11 विद्यार्थियों को 2 वर्ष का निशुल्क कोचिंग दिया जाएगा जिससे उन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति परीक्षा का लाभ मिल सकेगा तथा वे इंजीनियर डाक्टर बनकर देश की सेवा करेंगे ऐसी संकल्पना शहर युवक कांग्रेस व गोंदिया जिला एनएसयूआई द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 32 वी पुण्यतिथि पर संकल्प लिया है। इसका लाभ लेने के लिए छात्र-छात्राएं अपना पंजीयन 21 मई से 11 जून तक कर सकते हैं। तथा परीक्षा 18 जून को टर्टल अभ्यास सेंटर गुजराती स्कूल रेल टोली में आयोजित की जाएंगी। इसके लिए स्वप्निल चौहान व भरने सर से संपर्क किया जा सकता है तथा ऑनलाइन पंजीयनhttps://docs.google.com/forms/d/v|whgYJ-_dCJpmjzKDBuLQYeJdIudhpTWE-u-uRY/edit इस लिंक पर कर सकते हैं।

मेश्राम हत्याकांड में पांच आरोपीयो को शहर पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। शहर के भीमनगर परिसर में घर में घुसकर आंखों में मिर्च पाउडर डालकर हथियार से वार कर युवक की हत्या कर दी थी। मृत युवक का नाम झंडा चौक, भीमनगर निवासी पंकज देवराव मेश्राम (33) है। शहर पुलिस ने इस मामले के सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पंकज मेश्राम जब अपने घर में सो रहा था इसी दौरान सुबह 6 बजे पुराने विवाद के चलते आरोपी सुंदरनगर निवासी श्रीकांत उर्फ नेहाल भिवाडे (19), भीमनगर निवासी इमरान शेख (29), सुंदरनगर निवासी विशाल उर्फ बुल्ली कोसरकर (25), शुभम उर्फमास उर्फ हग्गू चौधरी (19) और एक नाबालिग लड़का (16) पंकज मेश्राम के घर में घुस गए और उन्होंने तेज हथियार से पंकज की हत्या कर दी। फिर्यादी तुषार उर्फ विट्ठल कान्हा वल्द अनिल सिंगाडे (25) जब बीच-बचाव करने गया तो आरोपी ने उसकी गर्दन पर चाकू मारकर जान से मारने की कोशिश की और फरार हो गए. फिर्यादी तुषार सिंगाड़े की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया और तुरंत आरोपी की तलाश शुरू कर दी. दिन भर आरोपी की तलाश के बाद आखिरकार रात करीब 11.26 बजे आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए. जांच सहायक फौजदार शहारे कर रहे हैं।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली योजना के लिए 45 से 55 प्रतिशत अनुदान

बुलंद गोंदिया। पानी की हर बूंद कम वर्षा वाले क्षेत्रों में मायने रखती है। अत-जिन क्षेत्रों में सिंचाई द्वारा सिंचाई संभव नहीं है वहां सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से फसलों को पानी उपलब्ध कराने से उपज बढ़ती है और पानी की बचत होती है। इस हेतु सूक्ष्म सिंचाई अर्थात ड्रिप सिंचाई के माध्यम से अधिक से अधिक कृषि क्षेत्र को जल उपलब्धता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रति बूंद अधिक फसल योजना क्रियान्वित की जा रही है। कृषि विभाग ने अपील की है कि 45 से 55 फीसदी सब्सिडी वाली इस योजना का अधिक से अधिक किसान लाभ उठाएं।

जल दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकी के तहत क्षेत्र में वृद्धि करना। सटीक जल प्रबंधन, फसल कवरेज में वृद्धि, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाना। कृषि और बागवानी विकास के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना, विकसित करना और उसका प्रसार करना। इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना और रखरखाव में कुशल और अकुशल व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है।

इस योजना के तहत किसानों को ड्रिप सिंचाई प्रणाली की लागत का 45 से 55 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। इसमें लघु एवं सीमांत जोत वाले किसानों को सेट की स्वीकृत लागत का 55 प्रतिशत अथवा वास्तविक लागत का 55 प्रतिशत, जो भी कम हो, की दर से अनुदान दिया जाता है।

अन्य किसानों को सेट की स्वीकृत लागत का 45 प्रतिशत या वास्तविक लागत का 45 प्रतिशत, जो भी कम हो, का भुगतान किया जाता है। साथ ही यदि इस योजना का लाभ लेने वाला किसान अटल भूजल योजना में चयनित गांव का है तो उसे अटल भूजल योजना का लाभ दिया जाता है। जबकि अन्य हितग्राहियों को मुख्यमंत्री सतत सिंचाई योजनान्तर्गत पूरक अनुदान का लाभ दिया जाता है। इसके तहत छोटे और सीमांत किसानों को 25 प्रतिशत और अन्य किसानों को 30 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दिया जाता है। ऐसी सब्सिडी क्रमश: कुल के 80 से 75 प्रतिशत तक दी जाती है।

किसानों को इस योजना का लाभ लेने के लिए शेतकरी योजना के तहत पोर्टल https://mahadbt.maharashtra.gov.in (mahadbt.maharashtra.gov.in) पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ 7/12 और 8-ए की प्रतियां, सामान्य क्षेत्र के मामले में सादे कागज पर अन्य खाताधारकों का सहमति पत्र, अनुमोदन की तिथि से 7 वर्ष की अवधि के लिए लाभार्थी द्वारा खेत मालिक के साथ दर्ज किया गया पंजीकृत समझौता कृषि भूमि को लीज पर लेकर सूक्ष्म सिंचाई योजना का लाभ लेते समय आवेदन का 7/12 यदि पर्ची में कुआं, खेत आदि पर सिंचाई सुविधा का अभिलेख न हो तो सादे कागज पर स्वघोषणा पत्र, जाति प्रमाण पत्र (अनुसूचित जाति/जनजाति हितग्राहियों हेतु) आदि संलग्न करें।

राज्य स्तरीय स्वयं सिद्धा महिला स्वरक्षण प्राप्त गोंदिया की बेटियों का जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने किया सत्कार

बुलंद गोंदिया। जिला क्रीड़ा संकुल मे जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित समारोह मे जिलाअधिकारी चिन्मय गोतमारे द्वारा राज्य स्तरीय स्वयं सिद्धा प्रशिक्षण प्राप्त गोंदिया की बेटियों का सत्कार किया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी घनश्याम राठौड़ ,क्रीड़ा अधिकारी मरसकोले , राज्य क्रीड़ा मार्गदर्शक नाजुक उइके , वरिष्ठ लिपिक भारसागड़े द्वारा जिला सयोजिका कु.रविना बरेले स्वयं सिद्धा एसोसिएशन गोंदिया जिला का सत्कार किया गया। राज्य स्तरीय स्वयं सिद्धा प्रशिक्षण प्राप्त खुशबू बांगड़कर, इशिका कटरे ,नीतू भाँगडकर,नूपुर जिंझरिया, पल्लवी हेमने, शिल्पा गायधने, केशवी भ्रमणकार, मंगला गौतम, साक्षी शिवनकर का सत्कार किया गया। ये सभी महिला ट्रेनर स्वयं सिद्धा महिला स्वरक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त कर गोंदिया जिले की विभिन्न तहसीलों मे युवतियों व महिलाओ को प्रशिक्षण व उचित मार्गदर्शन करेंगी । इनकी इस उपलब्धि पर डॉ. खुशबु चोपडे महाराष्ट्र राज्य प्रमुख स्वयं सिद्धा, विशालसिंग ठाकुर अध्यक्ष कराते एसोसिएशन गोंदिया जिला, तेजसिंग आलोट (राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर)गोंदिया जिला, हेमंत चावके अध्यक्ष किक बॉक्सिंग गोंदिया जिला,सेंसई संगम बावनकर,सेंसई मुकेश शेंडे,अनिल सहारे क्रीड़ा मार्गदर्शक,व स्वयं सिद्धा जिला सचिव पूनम वि.ठाकुर, कोषाध्यक्ष शोभा आलोट गोंदिया जिला एसोसिएशन की महिला सदस्य प्रेरणा हुमने, याशिका परमार, चेतना ठाकुर, अंजली बघेले, भारवि कटरे, इशिता बेलगे ने शुभकामनायें दी।

केंद्र सरकार, धान खरीदी योजना में बदलाव कर 3 प्रतिशत की कटौती मंजूर करें-पूर्व मंत्री डॉ. फुके

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को दिया पत्र

बुलंद गोंदिया। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 के सीजन में न्यूनतम मूल्य धान खरीदी योजनान्तर्गत मंजूर धान खरीदी में की गई कटौती में बदलाव कर 3 प्रतिशत की कटौती को मंजूर करने के मामले पर राज्य के पूर्व मंत्री डॉ. परिणय फुके ने भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल तथा राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र देकर उचित स्तर पर कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व मंत्री डॉ. परिणय फुके ने केंद्रीय मंत्री श्री गोयल एवं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का पत्र के माध्यम से ध्यानकेन्द्रित किया कि खरीप एवं रबी मौसम 2022-23 में सब एजेंट संस्था मार्केटिंग फेडरेशन की ओर से 5 जिलों, भंडारा, गोंदिया, चन्द्रपुर, गढ़चिरौली एवं नागपुर में वर्ष 2000-2001 से धान खरीदी की जा रही है।

वर्ष 2022-23 में खरीफ व रबी सीजन में धान खरीदी को लेकर सरकार द्वारा दी गई बेहद दमनकारी शर्तों के कारण इसके समाधान के लिए नागपुर विभागीय आधारभूत धान खरीदी फेडरेशन ने निवेदन द्वारा अनुरोध किया है।

शासन की ओर से वर्ष 2002 से 2011-12 तक राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा 2 प्रतिशत की कटौती स्वीकृत की गयी थी। वर्ष 2012-13 से राज्य सरकार ने 1 प्रतिशत की कटौती देना बंद कर दिया था, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2012-13 से 2021-2022 तक 1 प्रतिशत की कटौती मिल रही थी.

साथ ही मार्केटिंग फेडरेशन ने 21/4/2023 को पत्र भेजा है कि खरीप सीजन 2022-23 के सीजन में गणना आधा प्रतिशत (500 ग्राम) की जाएगी। जिले की सभी 5 सब एजेंट सहकारी समितियों ने शासन की ओर से दिनांक 1/10/2022 से 28/2/2023 तक धान खरीदी की है। धान खरीदी केंद्र शुरू करने के पूर्व (500 ग्राम) आधा प्रतिशत कटौती के संबंध में कोई पत्र या निर्देश नहीं दिया गया।

उन्होंने लिखा, 21/4/2023 तक 60 से 80 प्रतिशत धान का स्टॉक शिपमेंट के लिए उठा लिया गया है और खरीप सीजन का धान का स्टॉक पिछले 5 महीने से गोदाम में पड़ा हुआ है। भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, नागपुर जिलों में अत्यधिक तापमान के कारण धान के भंडारण में प्राकृतिक गिरावट 2 प्रतिशत से अधिक है, जबकि अब तक खरीदे गए धान के स्टॉक को थोक में नहीं उठाया जा सका है।

फुके ने कहा, खरीदी के दौरान मार्केटिंग फेडरेशन 500 ग्राम (आधा प्रतिशत) की कमी की गणना करेगा, इसलिए धान खरीदने वाली संस्था की ओर से खरीद मूल्य का डेढ़ गुना की कमी की राशि वसूल करने पर बड़ा अन्याय व नुकसान हो रहा। ये अन्याय रुके व संस्था का नुकसान न हो इस दृष्टि से 3 प्रतिशत की कमी मंजूर करने पर सरकार ने उचित कदम उठाना चाहिए। संस्था को नुकसान न हो इस हेतु सत्र 2022-23 के लिए न्यूनतम आधार मूल्य खरीद योजना के तहत धान की खरीद के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत कटौती में परिवर्तन के संबंध में अपने स्तर से उचित कार्रवाई की जाए।

प्रभाग 5 के सैकड़ो नागरिकों को मिली बड़ी राहत

भूमि आरक्षण मुक्त करने का मार्ग प्रशस्त

»» पुलिस विभाग से मिली मंजूरी नगर परिषद ने मंत्रालय भेजा प्रस्ताव ««

बुलंद गोंदिया। प्रभाग क्रमांक 5 के बसंत नगर स्थित गट क्रमांक 100 की आरक्षित भूमि का मामला अब आरक्षणमुक्त के प्रशस्ति मार्ग पर है। सामाजिक कार्यकर्ता संजीव रॉय के निरंतर प्रयासों से अब जगह को आरक्षण मुक्त करने का प्रस्ताव मंत्रालय के नगर विकास विभाग को भेजे जाने की जानकारी रॉय ने दी। गौरतलब है कि प्रभाग क्र 5 के बसंत नगर में गट क्रमांक 100 अंतर्गत 2.90 हे. आर जमीन आरक्षण क्र. एन/62 पुलिस स्टेशन व क्वार्टर्स हेतु आरक्षित थी। इस जमीन के आरक्षित होने पर इसका भूसंपादन अधिकार पुलिस विभाग को था। परंतु इस जगह में कुल 75 फीसदी जगह पर नागरिको के कच्चे-पक्के मकान बने हुए है जहा वे निवास करते है। जगह आरक्षित होने के चलते वहां निवास कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर सैकड़ो लोग प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे है।इस मामले को लेकर प्रभाग क्रमांक 5 के युवा सामाजिक कार्यकर्ता संजीव रॉय ने प्रभाग वासियों के मामलों का संज्ञान लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल्ल पटेल से भेंट कर इसके समाधान कर नागरिकों को राहत देने की बात की थी। तब इस मामले पर पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर गट क्र.100 की 2.90 हे. आरक्षित जगह में से 0.40 आर जगह छोड़कर ना हरकत प्रमाण पत्र देने की मांग की गई थी।

इस पत्र का संज्ञान लेकर पुलिस विभाग ने 1 जुलाई 2021 को उक्त आरक्षण हटाने व जगह निवासी क्षेत्र में समाविष्ट करने पत्र जारी कर नाहरकत प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रदान की थी इसके साथ ही बसंत नगर/मरारटोली की गट क्र 100 अंतर्गत उक्त आरक्षित जगह से आरक्षण हटाकर उसे निवासी क्षेत्र में समाविष्ट करने नगर परिषद की आमसभा में प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव पर तेजगति लाने सामाजिक कार्यकर्ता संजीव रॉय निरंतर प्रयासरत थे। अब ये प्रस्ताव मंत्रालय के नगर विकास विभाग को नगर परिषद द्वारा भेजा गया है, जहा से हरी झंडी मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है इस आरक्षित जगह के नागरिकों के निवासी हेतु समाविष्ट होने के प्रशासकीय स्तर कार्रवाई पर बंसत नगर/मरारटोली, प्रभाग क्र. 5 के संगीता पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, संतकला रूपचंद मारवाडे, निर्मला शेंडे, रेखा बावने, यशोदा पाचे, उमाबाई पाचे, रामवती माने, श्यामराव पाचे, आनंदराव पाचे, राजाराम शिवनकर, दिवाकर शिवनकर, ज्ञानीराम मेश्राम, डोडू पाचे, कमलाबाई महेश चौधरी सहित सैकड़ों लोगों ने खुशी जाहिर कर सामाजिक युवा कार्यकर्ता संजीव राय (सोनू) का आभार व अभिनंदन किया।

युवा समाजसेवी आशिष ठकरानी कर्मवीर पुरस्कार से सन्मानित

बुलंद गोंदिया। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर युवा समाजसेवी आशिष ठकरानी को कर्मवीर पुरस्कार से सन्मानित किया गया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी आशिष ठकरानी ने सन्मानित करने के लिए आयोजको का आभार व्यक्त किया और मातृभूमि के सम्मान और स्वाभिमान के लिए समर्पित वीर योद्धा, प्रतापी शासक महाराणा प्रताप जी को जयंती पर शत-शत नमन किया। साथ ही उनके जीवन के बारे में बताते हुए कहा की महाराणा प्रताप जी का जीवन चुनौतीपूर्ण और विपरीत परिस्थितियों में भी देशभक्ति, शौर्य एवं पराक्रम प्रेरणादायक है। ऐसे वीर शिरोमणि जो पुनश्च नतमस्तक करता हूं। कार्यक्रम में सभी उपस्थित सभी माताओं बहनों और पिता तुल्य बुजुर्गो को सादर प्रणाम

करता हूं। इस कार्यक्रम में मुझे आमंत्रित किया इसके लिए अखंड राजपूताना सेवा संघ के सभी सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूं उनका आभारी हूं। साथ ही मेरे सेवा कार्यों को देख आज मुझे यहां कर्मवीर पुरुस्कार से सन्मानित करने के लिए मैं सभी समाजबंधुओं का तहदिल से शुक्रगुजार हूं । आशा है की आप सभी मुझे सदैव सेवा का अवसर प्रदान करेंगे सेवा करने से ऊर्जात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

नंगपुरा मुर्री में सीमेंट मार्ग का भूमिपूजन

बुलंद गोंदिया। ग्राम पंचायत नंगपुरा मुर्री में जिला परिषद सदस्य दीपा सुधीर चंद्रिकापुरे कि जिला निधि से सीमेंट मार्ग का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में सरपंच कविता ताई लिचड़े वह भूमि पूजन पंचायत समिति सदस्य शैलजा कमलेश सोनवाने द्वारा किया गया। तथा विशेष अतिथि के रूप में रणधीर सहारे, राजेश कापसे, नंदा भिवगड़े, संगीता पालंदुरकर, रीना पारधी ,चंद्रकला पारधी ,रवि बोमचेर, करण टेकाम, छाया शरणागत वह सामाजिक कार्यकर्ता बालू लिचड़े व सुधीर चंद्रिकापुरे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मारपीट करने की धमकी

गोंदिया- रामनगर थानांतर्गत कुड़वा में 5 आरोपी एवं उनके सहयोगियों ने बालाघाट जिले के रमगड़ी निवासी फरियादी हेमेंद्रकुमार कन्हैयालाल हरिणखेडे (31) के मालकियत के प्लॉट क्रमांक 57, 58 एवं 59 पर सीमेंट पोल और तार के कंपाउंड को जेसीबी की सहायता से तोड़कर अतिक्रमण कर लिया। जिसमें फरियादी का 12 लाख रुपए का नुकसान हो गया। इतना ही नहीं तो आरोपियों ने फरियादी को मारने-पीटने की धमकी भी दी। इसके अलावा आरोपियो ने प्लॉट पर अपने पिता के मालकियत का बोर्ड भी लगा दिया है। फरियादी की रिपोर्ट पर रामनगर पुलिस ने भादंवि की धारा 447, 143, 147, 427, 506 के तहत मामला दर्ज किया है।

तीन राज्यों का "KKM" दल नक्सल गतिविधियों पर नजर रख करेगे संयुक्त कार्रवाई- पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के अंतिम छोर पर अतिसंवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र मुरकुटडोह में 20 मई को पालकमंत्री सुधीर मुंनगटीवार के हस्ते हुए पुलिस बेस कैंप (हब्क) इमारत के लोकार्पण समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक गोंदिया निखिल पिंगले पत्रकारों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि, गोंदिया जिले की सालेकसा तहसील में मुरकुटडोह क्र. 1, 2, 3 और दण्डारी नक्सली गतिविधियों के चलते अतिसंवेदनशील क्षेत्र है। ये सभी गाँव दर्रेकसा ग्राम पंचायत अंतर्गत आते है। इनमें मुरकुट से मात्र 4-5 किमी के अंतर में छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा है। इनमें छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव जिले का कट्टेमा गाँव की 1 किलोमीटर की सीमा मुरकुटडोह से लगी हुई है जबकि मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले का कट्टेपार गाँव सिर्फ साढ़े तीन किमी के अंतर पर जिले की सीमा से सटा हुआ। पुलिस अधीक्षक श्री पिंगले ने कहा, ये पहाड़ी व जंगल क्षेत्र नक्सलियों के गतिविधियों का क्षेत्र है। इस क्षेत्र

में अनेक नक्सली वारदात पहले सामने आ चुकी है। वर्तमान में नक्सली वारदातों में कमी आयी है। परंतु इन नक्सली वारदातों, गतिविधियों की रोकथाम हेतु मुरकुटडोह में बेस कैंप की स्थापना जरूरी थी। इसके लिए वर्ष 2018 से कार्य जारी था, जो आज साकार हुआ है। पुलिस अधीक्षक पिंगळे ने कहा, तीनों राज्य की पुलिस नक्सली गतिविधियों की रोकथाम हेतु संयुक्त अभियान के तहत कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के अतिसंवेदनशील क्षेत्र कट्टेमा, मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के कट्टेपार व मुरकुटडोह को मिलाकर च्यरूटीम के तहत कार्य किया जा रहा है। कट्टेमा में भी पुलिस द्वारा AOP बनाने का कार्य जारी है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले के साथ अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, एसडीपीओ विजय भिसे मौजूद थे ।

नक्सलवाद और आतंकवाद को हराने पुलिस बल बहादुरी से कर रहा कार्य हमें उन पर अभिमान - पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार

मुरकुटडोह में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण

बुलंद गोंदिया। देश की सेना के साथ-साथ महाराष्ट्र राज्य पुलिस बल विनाशकारी कार्य करने वाले आतंकवादियों, नक्सलियों को हराने के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है और हमारे जवान और पुलिस कर्मी बहादुर और निडर हैं। राज्य के वन मंत्री औरजिले के पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने देश की रक्षा के लिए काम कर रही सेना और पुलिस की तारीफ की. उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि महाराष्ट्र सरकार की योजना के तहत महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ की सीमा संगम पर बनने वाले मुरकुटडोह बेस कॅम्प केंद्र और इस भवन से आम आदमी को न्याय मिलेगा।वे सुदूरवर्ती महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्र मुरकुटडोह में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्र गोंदिया जिले के पुलिस थाना सालेकसा के तहत अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र मुरकुटडोह (पुलिस बेस केंद्र) में नवनिर्मित प्रशासनिक

(वास्तु) भवन का उद्घाटन किया. सी.एम.एस. सेल सेल गोंदिया स्थित नवनिर्मित भवन का भी ऑनलाइन उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद अशोक नेते , पुलिस उप महानिरीक्षक गढ़चिरौली परीक्षेत्र, कैंप नागपुर संदीप पाटिल, पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, उपविभागीयअधिकारी देवरी अनमोल सागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर और उपविभागीय पुलिस अधिकारी आमगांव विजय भिसे उपस्थित थे। मुरकुटडोह क्षेत्र के होनहार छात्र-छात्राओं को साइकिल, आदिवासी किसानों को धान का बीज एवं पालक मंत्री द्वारा जाति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया. मुरकुटडोह सशस्त्र बल दुर्क्षेत्र, नवनिर्मित प्रशासनिक भवन निर्माण करने वाले योगेश बिसेन, नवीन सीएमएस प्रकोष्ठ भवन निर्माण करने वाले बबलू भाई शेख को सम्मानित किया गया। सांसद अशोक नेते ने इस मौके पर कहा कि पुलिस हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहती है और आम नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल अच्छा काम कर रहा है। संदीप पाटिल ने कहा कि प्रशासन व गोंदिया जिला पुलिस बल जनता के हित में कार्य कर रहा है और जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

बड़ी संख्या में गोंदिया जिला पुलिस बल, मध्य प्रदेश पुलिस बल के पदाधिकारी, प्रवर्तक सी-60 दस्ते के पुलिस पदाधिकारी, प्रवर्तक, राज्य रिजर्व पुलिस बल के पदाधिकारी, प्रवर्तक, थाना सालेकसा के पुलिस पदाधिकारी, प्रवर्तक एवं नक्सल सेल, साइबर सेल , स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस अधीक्षक के साथ-साथ मंत्रालय के कर्मचारी, वरिष्ठ लिपिक और मुरकुटडोह ग्रामीण आदिवासी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उपस्थित ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए पुलिस बल का धन्यवाद किया।उद्घाटन समारोह का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर ने किया। पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गाँव में सीमेंट रोड का फर्जी प्रस्ताव, ग्राम सचिव, रोजगार सेवक के नाम के शिक्के और फर्जी हस्ताक्षर कर धोखाधड़ी

आरोपी के खिलाफ तिरोडा थाने में मामला दर्ज

बुलंद गोंदिया। जिले के तिरोडा थाना क्षेत्र अंतर्गत आनेवाले ग्राम बयावाड़ा में एक व्यक्ति ने फर्जी तरीके से सीमेंट रोड बनाने का प्रस्ताव तैयार कर उसमें सचिव, ग्राम सेवक के फर्जी हस्ताक्षर कर शासन से धोखाधड़ी करने का प्रयत्न करने का मामला सामने आया है। इस मामले में तिरोडा थाने में दर्ज फिर्यादि नत्युलाल बावनकर (उम्र 83 वर्ष) की दर्ज शिकायत अनुसार मामला वर्ष 2020 से 2022 के दौरान का है। आरोपी ने ग्राम बयावाड़ा में सीमेंट रोड बनाने का एक फर्जी प्रस्ताव तैयार करने ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सेवक के नाम के शिक्के तथा फर्जी हस्ताक्षर कर इस प्रस्ताव को पंचायत समिति तिरोड़ा में प्रस्तुत किया।आरोपी द्वारा उक्त कृत्य कर ग्राम पंचायत व शासन के साथ धोखाधड़ी करने का प्रयत्न करने पर मामला दर्ज किया गया। तिरोड़ा पुलिस ने आरोपी के खिलाई भादवि की धारा 420, 465, 468, 471 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक जोगदंड कर रहे है।

ग्राम पंचायत भजेपार का अभिनव उपक्रम निशुल्क मोतियाबिंद शल्यक्रिया के लिए 21 मरीज नागपुर रवाना

बुलंद गोंदिया। सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भजेपार द्वारा ग्राम के नागरिकों के लिए निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें 500 नागरिकों की जांच कर 127 मरीजों को मोतियाबिंद शल्यक्रिया के लिए चयन किया गया था जिसमें पहले चरण में 27 मरीजों की शल्यक्रिया हो चुकी है तथा दूसरे चरण के लिए 21 मरीजों को नागपुर से महात्मे नेत्र चिकित्सालय के लिए रवाना किया गया। गौरतलब है कि सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भजेपार मैं युवा नेतृत्व के रूप में चंद्रकुमार बहेकार सरपंच निर्वाचित होने के पश्चात ग्राम के नागरिकों के हितों के लिए निरंतर विभिन्न अभिनव उपक्रम चला रहे हैं। जिसके अंतर्गत ग्राम में एक भव्य निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें 500 नागरिकों की जांच किए जाने के पश्चात 183 नागरिकों को चश्मों का निशुल्क वितरण ,127 मरीजों को मरीजों का मोतियाबिंद शल्यक्रिया के लिए चयन किया गया था ।जिसमें प्रथम चरण में 27 मरीजों की

सफलतापूर्वक शल्यक्रिया की गई तथा दूसरे चरण में 21 मरीजों को नागपुर के महात्मे मे नेत्र चिकित्सालय में भजेपार से चिकित्सालय के वाहन से रवाना किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत भजेपार के पदाधिकारी कर्मचारी व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इसके पश्चात तीसरे चरण में शेष मरीजों को प्रक्रिया के लिए रवाना किया जाएगा।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।